हिमाचल अभी अभी

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 11 अंक 48 कांगड़ा। शनिवार, 28 फरवरी -06 मार्च, 2026 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 17 फाल्गुन, विक्रमी संवत् 2082 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

तिरुपति बालाजी मंदिर से जुड़े रहस्य -पढ़ें पेज 4

डॉ. राजेश का अभिभावकों को संदेश

बच्चों पर ना थोपें उम्मीदों का बोझ, बेहतर रिवीजन को बताया सफलता का असली मंत्र

■ अमित महाजन/धर्मशाला

- शॉर्टकट या अनुचित साधनों के जाल में ना फंसकर मेहनत पर रखें यकीन
- सफलता की सबसे बड़ी कुंजी आत्मविश्वास और प्रोत्साहन है, ना कि दबाव
- परीक्षाओं में गोपनीयता और पारदर्शिता ही बोर्ड की सर्वोच्च प्राथमिकता

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं की आहट के बीच बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों और अभिभावकों के नाम एक बेहद संवेदनशील और प्रेरक संदेश जारी किया है। उन्होंने कहा है कि परीक्षा के इन महत्वपूर्ण दिनों में बच्चों को 'डर' की नहीं, बल्कि 'अपनो के साथ' की जरूरत है। डॉ. शर्मा ने अभिभावकों से अपील की है कि वे घर में परीक्षा का तनावपूर्ण माहौल बनाने के बजाय बच्चों के प्रति सहयोगात्मक और सकारात्मक नजरिया अपनाएं, ताकि छात्र बिना किसी मानसिक दबाव के अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।

बोर्ड अध्यक्ष ने छात्रों की मेहनत और ईमानदारी पर गहरा भरोसा जताते हुए कहा कि हिमाचल के विद्यार्थी अनुशासित और नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे किसी भी प्रकार के शॉर्टकट या अनुचित साधनों के जाल में न फंसकर अपनी मेहनत पर यकीन रखें।

डॉ. शर्मा के अनुसार, 'सफलता की सबसे बड़ी कुंजी आत्मविश्वास और प्रोत्साहन है, न कि दबाव।' उन्होंने अभिभावकों को याद दिलाया कि उनकी ओर से दिया गया भावनात्मक सहयोग ही छात्र के मनोबल को सबसे ऊंचे स्तर पर ले जा सकता है।

परीक्षा की तैयारी को लेकर मार्गदर्शन देते हुए डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों से शांत मन से रिवीजन करने का आग्रह किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि किसी विषय में असहजता महसूस हो रही हो, तो पूरे सिलेबस से घबराने के बजाय मुख्य अध्यायों और महत्वपूर्ण प्रश्नों पर ध्यान केंद्रित करें। संतुलित तैयारी न केवल तनाव को कम करती है, बल्कि प्रदर्शन में भी निखार लाती है। बोर्ड ने अंत में यह विश्वास जताया है कि संयम, समर्पण और सही दिशा में किए गए प्रयास से प्रदेश के बच्चे अपने परिश्रम का उचित परिणाम अवश्य प्राप्त करेंगे।

डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में परीक्षा प्रक्रिया को सुचारू, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए बोर्ड पूरी तरह से मुस्तैद है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बोर्ड का प्राथमिक लक्ष्य हर विद्यार्थी को एक समान अवसर और पूरी तरह से निष्पक्ष वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि उनकी प्रतिभा का सही मूल्यांकन हो सके।

परीक्षा की सुचिता को लेकर बोर्ड इस बार बेहद सख्त रुख अपना रहा है। डॉ. शर्मा ने कहा कि परीक्षाओं में गोपनीयता और पारदर्शिता ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस संबंध में सभी परीक्षा केंद्र समन्वयकों और अधीक्षकों को कड़े निर्देश जारी किए गए हैं कि वे परीक्षा शुरू होने से ठीक एक दिन पहले निर्धारित समय पर सामग्री प्राप्त करें और केंद्र समन्वयकों की उपस्थिति में उसकी विधिवत जांच सुनिश्चित करें। बोर्ड ने चेतावनी दी है कि यदि किसी भी स्तर पर सामग्री में त्रुटि या विसंगति पाई जाती है, तो उसकी सूचना तत्काल मुख्यालय को दी जाए। इन दिशा-निर्देशों के अक्षरश: पालन से न केवल परीक्षा प्रणाली विश्वसनीय बनेगी, बल्कि विद्यार्थियों और अभिभावकों का बोर्ड पर विश्वास और भी अधिक मजबूत होगा।

अंत में, बोर्ड अध्यक्ष ने प्रदेश के विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें शांत मन से तैयारी करने का परामर्श दिया है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे किसी भी प्रकार के तनाव से बचते हुए आत्मविश्वास के साथ पाठ्यक्रम का पुनरावर्तन करें। डॉ. शर्मा ने विश्वास जताया कि हिमाचल के विद्यार्थी अनुशासन, ईमानदारी और कठिन परिश्रम के बल पर परीक्षाओं में शानदार परिणाम प्राप्त करेंगे। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि वह न केवल परीक्षा लेने के लिए, बल्कि छात्रों को एक सुरक्षित और प्रेरक परीक्षा वातावरण प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

YouTube देखें वीडियो